



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 342 ]

नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 26, 2001/पौष 5, 1923

No. 342]

NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 26, 2001/PAUSA 5, 1923

मल्लभूम ग्रामीण बैंक

शुद्धि पत्र

बांकुरा, 3 दिसम्बर, 2001

एम जी बी/एच ओ/पी एण्ड ई/1658/2001.—दिनांक 25 जून, 2001 की सम संख्यांक अधिसूचना में निम्नलिखित यथा स्थान स्थापित किया जाए :—

## 8. परीक्षा

(iv)(क) लिपीकीय या अधीनस्थ संवर्ग में सीधे नियुक्त कर्मचारी एक वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रहेगा, जिसे नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा छः महीने से अनधिक की अवधि के लिए बढ़ाया जा सकेगा।

## 35. चन्दा

कोई भी अधिकारी या कर्मचारी सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना किसी भी प्रकार के उद्देश्य की पूर्ति के लिए ग्राहकों से कोई निधि बनाने या नकद या वस्तु के रूप में कोई अन्य संग्रहण करने के काम में स्वयं को शामिल नहीं करेगा या उसके लिए चन्दा स्वीकार नहीं करेगा या चन्दा नहीं मांगेगा।

ह०/-अपठनीय

अध्यक्ष

[विज्ञापन/III/IV/74 एच/2001/असा.]

MALLABHUM GRAMIN BANK

CORRIGENDUM

Bankura, the 3rd December. 2001

MGB/HO/P & E/1658/2001.—The following is added at their respective place in the notification dated 25th June, 2001 :—

## 8. Probation

(iv) (a) An employee directly appointed in Clerical or Sub-ordinate Cadre shall be on probation for a period of one year which shall be extenable by the Appointing Authority for a period not exceeding six months.

## 35. Subscriptions

No officer or employee shall, except with the previous sanction or the Competent Authority, ask for or accept contributions or otherwise associate himself with the raising or any funds or other collections in cash or in kind from constituents or customers in pursuance of any objective whatsoever.

Sd./-Illegible

Chairman

[ADVT III/IV/74 H/2001/Ext.]

